चूँ–चूँ की टोपी

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ एकांकी की कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ एकांकी के आधार पर बातचीत करें।

प्रमुख पात्र –चूहा–1
अन्य पात्र–
अन्य चूहे
दर्जी
गोटेवाला
मोतीवाला

दृश्य–एक

(एक खाली कमरे में खूब सारे चूहे उछल रहे हैं। वहाँ उन्हें एक गठरी मिलती है। एक चूहा गठरी खोलता है। उसमें से लाल रंग का एक कपड़ा निकाल लेता है। कपड़े को देखकर वह बहुत खुश होता है।)

चूहा – (कपड़ा दिखाते हुए) अहा! यह कपड़ा तो बहुत अच्छा है। मैं इसकी एक टोपी बनवाऊँगा।

"कपड़ा मैं ले जाऊँगा,
टोपी एक सिलाऊँगा।"

(चूहा कपड़ा लेकर बाजार जाता है। बाकी चूहे भी उसके पीछे–पीछे जाते हैं।)

दृश्य–दो

(बाज़ार में लोग तरह–तरह के सामान बेच रहे हैं।)

चूहा : दर्ज़ी भैया, दर्ज़ी भैया!
ज़रा मेरी टोपी तो सिल दो।

दर्ज़ी : (फटकार कर)
चल हट, मैं नहीं
टोपी सिलता। मुफ़्त
में काम कराने आ गया।

चूहा : देख, सिल दे मेरी
टोपी! नहीं तो.....

दर्ज़ी : (गुस्से में) नहीं तो क्या करेगा?

चूहाः रात को आऊँगा,
अपनी फौज लाऊँगा,
कुतर–कुतरकर सारे कपड़े,
तुम्हें मज़ा चखाऊँगा।

दर्ज़ीः (डरकर) ला भाई, तेरी टोपी सिल देता हूँ। मेरे कपड़े मत कुतरना।

चूहाः (अपने आप से) अहा! टोपी पहनकर कितना मजा आएगा।

दर्ज़ीः चूहे भाई, यह लो, अपनी टोपी सिल गई।

चूहाः भई वाह! टोपी तो बहुत बढ़िया सिली है। इस टोपी में गोटा लगवा लूँ तो मेरी यह टोपी चमकने लगेगी।

; चूहा फुदकता हुआ गोटेवाले की दुकान पर जाता है

दृश्य–तीन

चूहा : गोटेवाले भैया, ज़रा मेरी टोपी में गोटा तो लगा दो।

गोटेवाला : जा, भाग यहाँ से।

चूहा : देख, लगा दे, नहीं तो.....

गोटेवाला : बोल, गोटा नहीं लगाउँगा तो क्या करेगा तू?

चूहा : रात को आऊँगा,
अपनी फौज लाऊँगा
कुतर–कुतरकर सारे गोटे
तुम्हें मजा चखाऊँगा।

गोटेवाला : (डरकर) अरे भैया चूहे, मेरा गोटा मत कुतरना। मैं तेरी टोपी में गोटा लगा दूँगा।

चूहा : (गोटेवाले को टोपी देकर इधर–उधर चक्कर लगाता है।) चम–चम टोपी चमकेगी, मैं राजा बन जाउँगा, चूँ–चूँ मौज उड़ाऊँगा।

गोटेवाला : ले भाई चूहे, तेरी टोपी में गोटा लग गया।

चूहा : (शीशे में अपनी सूरत देखकर खुश होते हुए) अहा! टोपी तो बहुत चमक रही है। इसमें मोती भी लगवा लूँ, तब तो यह बिल्कुल राजमुकुट जैसी लगेगी।
(चूहा फुदकता हुआ मोतीवाले के पास पहुँचता है।)

दृश्य–चार

चूहा : मोतीवाले भैया, जरा मेरी टोपी में मोती तो लगा दे।

मोतीवाला : ज़रा–सा चूहा। जा, भाग यहाँ से। क्या पैसे भी लाया है? बेकार हल्ला मचा रहा है।

चूहा : देख, लगा दे। नहीं तो....
रात को आऊँगा,
अपनी फौज लाऊँगा,
बीन–बीनकर तेरे मोती,
सारे मैं ले जाऊँगा।

मोतीवाला : (मोतीवाला डर जाता है।)
(अपने आप से) अरे, यह तो बड़ा खतरनाक चूहा है। अच्छा होगा कि इसकी टोपी में मोती लगा दूँ।
(मोतीवाला डर जाता है।)
(आवाज़ देकर) अरे भाई चूहे, जरा इधर आना। यह तो बताओ, तुम अपनी टोपी में मोती लगवाकर क्या करोगे?

चूहा : टोपी एक सिलाई है,
गोटा भी टँकवाया है,
मोती भी लगवाउँगा,
चम–चम टोपी पहन ठाठ से

चूँ–चूँ की टोपी

मैं राजा बन जाऊँगा,
सब चूहों को लेकर संग मैं,
चूँ–चूँ मौज उड़ाऊँगा।
चूँ–चूँ मौज उड़ाऊँगा।
(मोतीवाला खुश होकर चूहे की
टोपी में ढेर सारे मोती
लगा देता है।)

मोतीवाला : ले भाई चूहे, अपनी टोपी ले।
देख, मैंने कितने सारे मोती लगा दिए हैं।
(चूहा खुश होकर टोपी
ले लेता है।)

चूहा : इस टोपी को पहनकर
मैं बिल्कुल राजा
लग रहा हूँ।
(यह कहकर जंगल की
ओर चल पड़ता है।)

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवसः 109

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से चूहे के रंग–रूप, भोजन, आवास तथा घर में क्या–क्या नुकसान करता है आदि बातों पर चर्चा करें। साथ ही साथ पूरी कक्षा को चार समूह में बाँटकर चूहे के बारे में दो–दो वाक्य बोलने को कहें।

चूहे की लंबी–सी पूँछ होती है और मूछें भी होती है। कुछ ऐसे जीव–जंतुओं के नाम बताइए जिनकी–

मूँछ होती है	पूँछ होती है	पूँछ और मूँछ होती है

चूहे के बारे में कुछ लिखिए–

चूँ–चूँ चूहे का चित्र बनाइए–

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–110

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से टोपी पहनने के फायदे, अलग–अलग प्रकार की टोपी आदि के बारे में चर्चा करें।
विद्यार्थियों से कागज से विभिन्न प्रकार के टोपी बनवाएँ।

इनमें से कौन–सी टोपी चूहे की है, पहचानकर सही (√) का निशान लगाइए–

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आप टोपी कब पहनते हैं और क्यों?

(ख) आप किन लोगों को प्रायः टोपी पहने देखते हैं?

(ग) टोपी पहनने से क्या–क्या फायदे हैं?

चित्र को उसके नाम के साथ मिलाइए–

नेता

कारखाना मजदूर

पुलिस

रसोइया

दिनांक	# चूँ–चूँ की टोपी	दिवस–111

शिक्षण–निर्देश :
विद्यार्थियों से कपड़े के निर्माण, उपयोग, प्रकार आदि पर बातचीत करें।
विद्यार्थियों को चार समूह में बाँटें, उन्हें कपड़े से बनी ऐसी चीजों के नाम बताने को कहें जो पहनने के काम में नहीं आती है, साथ ही उसके बारे में दों–तीन वाक्य बताने को कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कपड़े से टोपी बनती है। कपड़े से और क्या–क्या पहनने वाली चीजें बनती है?

(ख) हमलोग प्रायः सिले हुए कपड़ों को पहनते हैं। बिना सिले हुए हमलोग क्या–क्या पहनते हैं?

(ग) कपड़े का हमलोग किस–किस रूप में प्रयोग करते हैं?

कब कैसे कपड़े पहनते हैं, मिलान कीजिए–

(क) जाड़ा	पतले कपड़े	
	बरसाती	
(ख) गर्मी	मोटे कपड़े	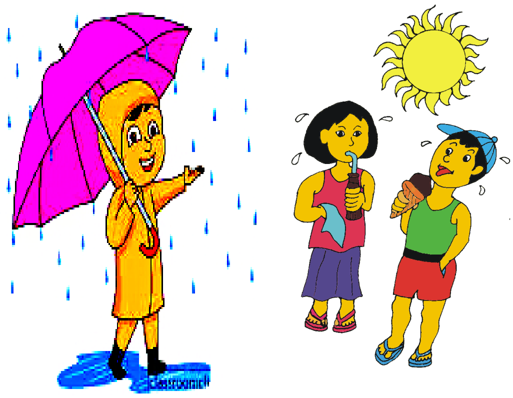
	सूती कपड़े	
(ग) बरसात	ऊनी कपड़े	

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–112

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से 'दर्जी' के बारे में बात करें तथा उसके कार्य आदि बातों पर चर्चा करें।
विद्यार्थियों से सूई में धागा डालने का अभ्यास करवाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) दर्जी क्या करता है?

(ख) दर्जी कपड़े से क्या–क्या बनाता है?

(ग) दर्जी कपड़ा सिलने में किन–किन चीजों का उपयोग करता है?

इनमें से जिन्हें दर्जी बनाता है उनके नाम बॉक्स में लिखिए–

कोट धोती कमीज स्वेटर पायजामा

साड़ी पैंट गमछा सलवार–कुरता

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–113

शिक्षण–निर्देश :

विभिन्न प्रकार के पेशा करनेवालों पर बातचीत करें। (सब्जीवाला, फलवाला, अखबार, चाय, रद्दी, पानवाला आदि)
विद्यार्थियों का समूह बनाकर विभिन्न प्रकार के मोतियों एवं गोटे से पाठ्य–पुस्तक, नोटबुक आदि सजाने के लिए कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कपड़े में गोटे और मोती क्यों लगाया जाता है?

(ख) गोटा कैसे लगाया जाता है?

(ग) गोटे को और कहाँ–कहाँ लगाया जाता है?

(घ) मोती कपड़े पर कैसे लगाया जाता है?

(ङ) मोती को और कहाँ–कहाँ लगाया जाता है?

समझिए तथा लिखिए–

(क) गोटेवाला – गोटा लगाने वाला/गोटा लगा हुआ

(ख) मोतीवाला –

(ग) पानवाला –

(घ) दूधवाला –

(ङ) अखबारवाला –

(च) सब्जीवाला –

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–114

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को कहानी के वाक्यों को सही क्रम में सजाने की समझ दें।
विद्यार्थियो के चार समूह बनाकर प्रत्येक समूह से अलग–अलग व्यवसाय पर चर्चा कराएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चूहा कपड़ा लेकर कहाँ गया?

(ख) चूहा ने दर्जी से क्या कहा?

(ग) दर्जी के मना करने पर चूहे ने क्या कहा?

(घ) चूहा और किस–किस के पास गया?

चूहे ने कपड़ा मिलने के बाद क्या–क्या किया, क्रम से सजाइए–

(क) टोपी में मोती लगवाया

(ख) टोपी पहना

(ग) टोपी में गोटा लगवाया

(घ) टोपी बनवाया

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–115

शिक्षण–निर्देश :

एकांकी के पात्रों पर चर्चा तथा विद्यार्थियों को पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

मिलान करें–

(क) फटकारना	काटना
(ख) मजा चखाना	पोटली
(ग) कुतरना	मजा करना
(घ) मौज उड़ाना	दुत्कारना / झिड़कना
(ङ) गठरी	सबक सिखाना

पढ़िए और लिखिए–

(क) एक कौआ — चार .... कौए ....

(ख) एक पौधा — तीन ....

(ग) एक चूहा — दस ....

(घ) एक गदहा — दो ....

(ङ) एक लोटा — पाँच ....

नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) चुहा —

(ख) दजी —

(ग) कपरा —

(घ) मोतीवाला —

(ङ) कूतरना —

दिनांक

चूँ–चूँ की टोपी

दिवस–116

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से एकांकी का मंचन करवाएँ।

खाली स्थानों में सही शब्द चुनकर भरिए–

(क) राजू ने एक .... बनवाई। (टोपी / टोपियाँ)

(ख) मेरे घर में बहुत सारे .... थे। (चूहा / चूहे)

(ग) अमित के पास एक .... है। (राखी / राखियाँ)

(घ) रमन जल्दी से .... चढ़ गया। (सीढ़ी / सीढ़ियाँ)

(ङ) रमा ने हाथों में लाल रंग की .... पहनी थी। (चूड़ी / चूड़ियाँ)

दर्जी में 'र' की हल्की–सी आवाज़ है इसे रेफ (ॅ) की तरह लिखा जाता है। रेफ लगाकर चार शब्द आप भी लिखिए–

इन शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) फौज – ....

(ख) राजमुकुट – ....

(ग) खतरनाक – ....

(घ) ढेर – ....

(ङ) कपड़ा – ....